राजभाषा के कार्यान्वयन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा उठाये गये कदम

- विश्वविद्यालय में जनवरी, 2014 से राजभाषा अनुभाग कार्य कर रहा है।
- राजभाषा के प्रसार हेतु विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन भी किया गया है। विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष/प्रभारी/अनुभाग प्रमुख इस समिति के सदस्य हैं।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति के गठन के पश्चात् नियमानुसार समिति की त्रैमासिक बैठकों का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को ऑनलाइन प्रगति रिपोर्ट भेजने के लिए विश्वविद्यालय को निबंधित किया गया है तथा ऑनलाइन त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से राजभाषा विभाग को भेजी जा रही है।
- विश्वविद्यालय के सभी नाम–पट्ट एवं सूचना–पट्ट द्विभाषिक रूप में तैयार किये गये हैं।
- विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर स्टॉफ हेतु दिनांक 12 फरवरी, 2018 को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विशेषज्ञ द्वारा यूनिकोड व गूगल इनपुट के माध्यम से हिंदी टाइपिंग का प्रशिक्षण दिया गया।
- सूचना का अधिकार की सभी 16 नियमावलियों का अनुवाद हिन्दी में करके विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्री का हिन्दी में अनुवाद करके वेबसाइट को द्विभाषिक रूप में तैयार किया गया है।
- विश्वविद्यालय की सूचना–बुलेटिन, वार्षिक प्रतिवेदन व लेखा परीक्षा वार्षिक प्रतिवेदन का हिन्दी में अनुवाद किया गया है।
- विश्वविद्यालय के सभी अध्योदशों का हिंदी में अनुवाद किया गया है।
- विश्वविद्यालय में प्रति वर्ष हिंदी पखवाड़ा का आयोजन सफलतापूर्वक किया जाता है। इसमें विश्वविद्यालय के स्टॉफ व विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए भी हिंदी पखवाड़ा के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।
- इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ का भी समन्वयक कार्यालय है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ इस समिति के अध्यक्ष है। समिति में कुल 17 सदस्य हैं। इसके अंतर्गत नए सदस्य कार्यालयों को जोड़ने की प्रक्रिया जारी है।